ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-06-2024

नालंदा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-06-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-06-05	2024-06-06	2024-06-07	2024-06-08	2024-06-09
वर्षा (मिमी)	0	6	0	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	38.5	40.4	42.6	42.2
न्यूनतम तापमान(से.)	24.7	25.9	27.4	25.9	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	69	61	71	76	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	12	19	16	15	16
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	16	16	15	18	18
पवन दिशा (डिग्री)	68	71	79	71	65
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	1	0	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार,05 से 09 जून के मध्य आसमान में हल्के बादल एवं मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं। • अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान 01-02 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ने की संभावना हैं। अधिकतम तापमान 40-43डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 25-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि होने की संभावना के कारण किसानों को आवश्यकतानुसार फसलों में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की नर्सरी स्थापित करें। देर से पकने वाली धान की किस्में राजश्री, राजेंद्र मंसूरी, राजेंद्र श्वेता, किशोरी, स्वर्ण, स्वर्ण सब-1 वीपीटी-5204,सत्यम आदि की नर्सरी स्थापित करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौडाई 1.25-1.5 मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें तथा बुआई से पूर्व उपचारित करना सुनिश्चित करें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकूल हैं। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। मक्का की अनुशंसित सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी एवं बोरा में नत्रजन का उपरिवेशन करें। कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 2 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 7-10 दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कद्दु वर्गीय सब्जियों में चूर्णिल आसिता के आक्रमण होने पर केराथेन 1.5 ग्राम प्रति लीटर या 25 कि0ग्रा0 सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें।
लीची	लीची तोड़ने के बाद लीची के बाग की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोगा्रम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट आॅफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को पेड़ के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए पशुओं को टीकाकरण कराने की आवश्यकता है।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	जो किसान फलदार वृक्ष लगाना चाहते है, और वृक्ष लगाने के लिए गड्ढा खोदे है, वे जून के पहले सप्ताह में आम, लीची आदि फलदार वृक्षों के लिए खोदे गड्ढों में मिटटी क साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थिमेट देकर ऊपर तक भर दें।